1 भाषा और व्याकरण

(Language and Grammar)

बच्चो! इस पृथ्वी पर मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी है जो अपने मन की बात स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकता है और दूसरों की समझ सकता है। ईश्वर ने उसे सोचने और समझने की शक्ति प्रदान की है।

प्राचीन काल में आदिमानव जानवरों की भाँति जंगलों में रहता था। वह जानवरों की तरह चलता था और जानवरों की भाँति बोलता था। समय बीतता गया और मनुष्य आज के मनुष्य की तरह खड़े होकर चलने लगा। वह अपने अगले दोनों पैरों का प्रयोग हाथों के रूप में करने लगा। उसकी बुद्धि का भी विकास हुआ। वह जंगलों में पाई जाने वाली गुफाओं में रहता था। सारे दिन वह जंगली जानवरों का शिकार करता फिर अपने खाली समय में वह दीवारों पर उन जानवरों के चित्र बनाता था जिनको वह दिन में देखता था या शिकार करता था। इस प्रकार मनुष्य द्वारा बनाए गए चित्र चित्रात्मक लिपि कहलाई गई।

सैकड़ों वर्षों के बाद मनुष्य ने अपने मुख से निकली ध्वनियों को अच्छी तरह से समझने की कोशिश की और ध्वनि-चिह्नों का आविष्कार किया। कालांतर में वही ध्वनि-चिह्न आज वर्ण या अक्षर कहे जाने लगे। इस तरह उसने वर्णों से मिलाकर शब्द, शब्दों से मिलाकर वाक्य और वाक्यों से मिलाकर भाषा का निर्माण किया। अब वह बोलकर तथा लिखकर अपने मन की बात कहने लगा तथा सुनकर और पढ़कर दूसरों की बात समझने लगा।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि –

मन के भावों तथा विचारों के आदान-प्रदान करने का साधन भाषा है।

भाषा के रूप

भाषा के मुख्यतः दो रूप हैं –

1. मौखिक या कथित भाषा
2. लिखित भाषा

1. मौखिक भाषा – जब व्यक्ति मुख द्वारा बोलकर अपने मन की बात कहता है और दूसरे कानों से सुनकर उसकी बात समझते हैं, तो उसे मौखिक या कथित भाषा कहते हैं। भाषा के इस रूप का अनपढ़ तथा पढ़े-लिखे दोनों ही प्रकार के मनुष्य प्रयोग करते हैं। साधु का उपदेश देना, भाषण देना, बातचीत करना, रेडियो पर गाने सुनना, डाँटना आदि मौखिक भाषा के उदाहरण हैं।

टी०वी० पर समाचार पढ़ती हुई लड़की

परीक्षा भवन में परीक्षा देते छात्र

2. लिखित भाषा – जब व्यक्ति अपने मन की बात लिखकर प्रकट करता है और दूसरे पढ़कर उसकी बात समझते हैं तो यह लिखित भाषा कहलाती है। यह भाषा का रूप पढ़े-लिखे लोगों द्वारा ही प्रयोग की जा सकती है। अनपढ़ लोग इस भाषा का प्रयोग नहीं कर सकते।

पुस्तकें, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, विज्ञापन, होर्डिंग, परीक्षा भवन में परीक्षा देना आदि लिखित भाषा के उदाहरण हैं।

बोली

भाषा के क्षेत्रीय रूप को बोली कहा जाता है। बोली का क्षेत्र सीमित होता है। यह 8-10 किलोमीटर की दूरी पर बदल जाती है। बोली में साहित्य का निर्माण नहीं होता है और न ही इसका व्याकरण होता है।

मगही (मगधी), अवधी, बुंदेलखंडी, राजस्थानी, हरियाणवी, खड़ीबोली, ब्रजभाषा, भोजपुरी आदि बोलियों के उदाहरण हैं।

हमारा देश विभिन्न भाषा-भाषी देश है। इसमें सैकड़ों भाषाएँ बोली तथा लिखी जाती हैं, जिनमें पहले भारत के संविधान द्वारा 18 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई थी। बाद में चार बोलियों– डोगरी, मैथिली, बोडो तथा कोंकणी को भी भाषा के रूप में स्वीकृति प्रदान कर दी गई। इस प्रकार हमारे संविधान द्वारा स्वीकृत 22 भाषाएँ निम्नलिखित हैं–

1. हिंदी	2. संस्कृत	3. उर्दू	4. नेपाली
5. पंजाबी	6. बंगाली	7. संथाली	8. सिंधी
9. तमिल	10. तेलुगू	11. कन्नड़	12. उड़िया
13. मलयालम	14. गुजराती	15. असमिया	16. कश्मीरी
17. मराठी	18. मणिपुरी	19. डोगरी	20. मैथिली
21. बोडो	22. कोंकणी		

लिपि

भाषा बोलते समय जो शब्द हमारे मुख से निकलते हैं, उनकी ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ चिह्न निर्धारित होते हैं। यही चिह्न लिपि कहलाते हैं।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

भाषा के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं।

सभी भाषाओं की अपनी-अपनी लिपि होती है। कुछ प्रमुख भाषाओं की लिपियाँ निम्नलिखित हैं–

भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी
संस्कृत	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन
उर्दू	फ़ारसी

भाषा	लिपि
पंजाबी	गुरुमुखी
जर्मन	रोमन
बंगाली	बाँग्ला
अरबी	फ़ारसी

याद रखिए

- 14 सितंबर, 1949 को हिंदी भाषा को भारतीय संविधान में राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। इसलिए प्रतिवर्ष 14 सितंबर 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा तथा राजभाषा दोनों है।
- अंग्रेजी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है।

व्याकरण

किसी भाषा के शुद्ध रूप में बोलने, पढ़ने तथा लिखने का तरीका व्याकरण सिखाता है। व्याकरण के ज्ञान के बिना हम किसी भाषा को शुद्ध रूप में न बोल सकते हैं, न पढ़ सकते हैं और न लिख सकते हैं।

अतः हम कह सकते हैं कि–

जिस शास्त्र से हमें वर्णों, शब्दों तथा वाक्यों के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान प्राप्त होता है, उसे व्याकरण कहते हैं।

व्याकरण के अंग

व्याकरण के तीन अंग हैं–

1. **वर्ण-विचार** – इसके अंतर्गत वर्णों की उत्पत्ति, भेद, उच्चारण आदि पर विचार किया जाता है।
2. **शब्द-विचार** – इसके अंतर्गत शब्दों की उत्पत्ति, रचना, भेद, विच्छेद आदि पर विचार किया जाता है।
3. **वाक्य-विचार** – इसके अंतर्गत वाक्य-निर्माण, वाक्य के अंग, वाक्य-विन्यास, भेद आदि पर विचार किया जाता है।

आओ दोहराएँ

- भाषा मन के भावों एवं विचारों के आदान-प्रदान का साधन है।
- भाषा के दो रूप होते हैं – मौखिक रूप तथा लिखित रूप।
- भारतीय संविधान द्वारा 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है।
- 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- बोलचाल की भाषा बोली कहलाती है।
- भाषा के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं।

अब बताइए

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. मन के भावों को आदान-प्रदान करने का साधन है–
   (i) भाषा ☐ (ii) व्याकरण ☐ (iii) लिपि ☐
2. हिंदी की लिपि है–
   (i) रोमन ☐ (ii) देवनागरी ☐ (iii) फ़ारसी ☐
3. भारत की राष्ट्रभाषा है–
   (i) उर्दू ☐ (ii) अंग्रेजी ☐ (iii) हिंदी ☐
4. 'हिंदी दिवस' मनाया जाता है–
   (i) 14 सितंबर को ☐ (ii) 14 नवंबर को ☐ (iii) 14 अगस्त को ☐
5. भाषा को शुद्ध रूप में बोलना, लिखना तथा पढ़ना सिखाता है–
   (i) लिपि ☐ (ii) व्याकरण ☐ (iii) बोली ☐

(ख) रिक्त स्थान भरिए–

1. भारत की राष्ट्रभाषा .... है।
2. अंतर्राष्ट्रीय भाषा .... है।
3. पंजाबी .... लिपि में लिखी जाती है।
4. बोली का क्षेत्र .... होता है।
5. व्याकरण के .... अंग हैं।

(ग) निम्नलिखित को सुमेल कीजिए–

(अ)	(ब)
1. हिंदी	(i) गुरुमुखी
2. अंग्रेज़ी	(ii) राष्ट्रभाषा
3. राजस्थानी	(iii) अंतर्राष्ट्रीय भाषा
4. संस्कृत	(iv) बोली
5. पंजाबी	(v) देवनागरी

(घ) सत्य कथन पर (✓) तथा असत्य पर (✗) लगाइए–

1. भाषा के मुख्यतः चार रूप हैं। ☐
2. मौखिक भाषा को कथित भाषा भी कहते हैं। ☐
3. लिखित भाषा अनपढ़ लोगों की भाषा है। ☐

4. पंजाबी रोमन लिपि में लिखी जाती है।

5. आदिमानव पढ़ना-लिखना नहीं जानता था।

(ङ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. भाषा किसे कहते हैं? इसके रूप लिखिए।
2. बोली किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।
3. लिपि किसे कहते हैं?
4. व्याकरण से आप क्या समझते हैं? व्याकरण के अंग लिखिए।

(च) दिए गए वाक्यों से भाषा का कौन-सा रूप प्रकट हो रहा है?

1. दो मित्रों का आपस में झगड़ना। .....
2. लाउडस्पीकर द्वारा कोई घोषणा होना। .....
3. परीक्षा भवन में परीक्षा देना। .....
4. मित्र को बधाई पत्र भेजना। .....

(छ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

1. बच्चा ने गिलास को तोड़ दिए। .....
2. गिर मोटा पड़ा आदमी। .....
3. दिव्यांशी है बना खाना रही। .....
4. दिया मार ने शिकारी को शेर। .....

(ज) नीचे दी गई वर्ग पहेली से विभिन्न भाषाएँ, बोलियाँ तथा लिपियाँ छाँटकर लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

म	ल	या	ल	म	हिं	दी
रा	ते	उ	ड़ि	या	दे	ख
ठी	लु	सं	था	ली	व	ड़ी
गु	गु	रु	मु	खी	ना	बो
ज	कों	क	णी	रो	ग	ली
रा	ज	स्था	नी	म	री	उ
ती	फ़ा	र	सी	न	ग	दू

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....